देशी मछली प्रजातियों और कर्नाटक कार्प के पालन पर जागरूकता कार्यक्रम

आईसीएआर-सीआईएफए के बेंगलुरु क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र ने 25 सितंबर 2024 को श्री दुर्गम्बा मछुआरा सहकारी समिति, हेसरघट्टा के सहयोग से हेसरघट्टा झील में स्वदेशी मछली प्रजातियों और कर्नाटक राज्य की मछली कर्नाटक कार्प के उन्नत फिंगरलिंग्स के पालन पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। मुख्य अतिथि डॉ. टी.के. बेहरा, निदेशक, आईसीएआर-आईआईएचआर, बेंगलुरु ने स्वदेशी प्रजातियों को पुनर्जीवित करने में आईसीएआर-सीआईएफए के प्रयासों की सराहना की, जिनमें से अधिकांश खतरे में हैं और किसानों को अपनी आजीविका में सुधार के लिए आईसीएआर अनुसंधान संस्थानों का लाभ उठाने की सलाह दी। डॉ. पी.के. साहू, निदेशक, आईसीएआर-सीआईएफए, भुवनेश्वर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में केंद्र की गतिविधियों का विवरण दिया और मछुआरों को शिकारी और खरपतवार से प्रभावित टैंकों और झीलों में बेहतर अस्तित्व के लिए बाद में स्टॉक करने के लिए उन्नत फिंगरलिंग्स के उत्पादन के लिए पेन सीड पालन जैसी तकनीकों का उपयोग करके बड़े और बारहमासी जल निकायों की उत्पादकता बढ़ाने का सुझाव दिया। इस कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिकों और सोसायटी के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम को रिकॉर्ड किया गया और दूरदर्शन चैनल पर प्रसारित किया गया।